

Type TAF 3 — Hochfrequenz-Penthode
(Regel-Charakteristik)

Die Röhre TAF 3 ist eine Hochfrequenz-Penthode mit Regel-Charakteristik, welche letztere so ausgebildet ist, dass das Zustandekommen einer Quermodulation (cross talk) weitgehend verhindert wird. Die TAF 3 lässt sich, dank der verringerten Innenkapazitäten und des hohen Innenwiderstandes, als Hoch- oder Zwischenfrequenzverstärkerröhre besonders gut verwenden, ebenso auch im Kurzwellengebiet. Die Regelung der Röhre kann durch Potentialänderung am Steuergitter oder auch am Schirmgitter erfolgen, zu welchem Zweck das dritte Gitter der Röhre (Bremsgitter) eine gesonderte Zuleitung am Röhrensockel besitzt.

1.) Betriebsdaten:

| | |
|------------------------------|--|
| Heizung | indirekt, Wechselstrom. Vf = 4 Volt If = ca. 0,65 Amp. |
| <hr/> | |
| I. Va | 250 Volt |
| Vg2 | 100 " |
| Ia (Vg1 = ca. -3 Volt) | 8 mA |
| Ia (Vg1 = -55 Volt) | < 0,015 mA |
| S max. | 2,8 mA/V |
| S norm. (Ia = 8 mA) | 1,8 mA/V |
| S (Vg1 = -55 Volt) | < 0,002 mA/V |
| Ri (Ia = 8 mA) | 1,2 Megohm |
| Ri (Vg1 = -55 Volt) | > 10 Megohm |
| Vg3 | 0 Volt |
| g | 2200 |
| <hr/> | |
| II. Va | 250 Volt |
| Vg2 | 85 " |
| Ia (Vg1 = ca. -2 V.) | 7,5 mA |
| Ia (Vg1 = -45 Volt) | < 0,015 mA |
| S norm. (Ia = 7,5 mA) | 2,1 mA/V |
| S (Vg1 = -45 V.) | < 0,002 mA/V |
| Ri (Ia = 7,5 mA) | 1,2 Megohm |
| Ri (Vg1 = -45 V.) | > 10 Megohm |
| Vg3 | 0 Volt |
| <hr/> | |
| III. Va | 250 Volt |
| Vg2 | 60 " |
| Ia (Vg1 = ca. -2 V.) | 4 mA |
| Ia (Vg1 = -35 Volt) | < 0,015 mA |
| S norm. (Ia = 4 mA) | 1,5 mA/V |
| S (Vg1 = -35 V.) | < 0,002 mA/V |
| Ri (Ia = 4 mA) | 1,4 Megohm |
| Ri (Vg1 = -35 V.) | > 10 Megohm |
| Vg3 | 0 Volt |

2.) Daten für die Apparatebauer:

| | |
|---|-------------|
| Vao max. | 550 Volt |
| VaR max. | 250 Volt |
| Val max. | 200 Volt |
| Wa max. | 2 Watt |
| Ik max. | 15 mA |
| Vg1 max. (I _{g1} = 0,3 µA) | < -1,3 Volt |
| Vg3 max. | 30 Volt |
| Vg2o max. | 400 Volt |
| Vg2 max. | 125 Volt |
| Ig2 (Ia = 8 mA, Vg2 = 100 V.) | 2,6 mA |

| | |
|-------------------------------------|------------|
| lg2 min. (Ia = 8 mA, Vg2 = 100 V.) | 1.9 mA |
| lg2 max. (Ia = 8 mA, Vg2 = 100 V.) | 3.3 mA |
| lg2 (Ia = 7.5 mA, Vg2 = 85 V.) | 2.3 mA |
| lg2 min. (Ia = 7.5 mA, Vg2 = 85 V.) | 1.7 mA |
| lg2 max. (Ia = 7.5 mA, Vg2 = 85 V.) | 2.9 mA |
| lg2 (Ia = 4 mA, Vg2 = 60 V.) | 1.3 mA |
| lg2 min. (Ia = 4 mA, Vg2 = 60 V.) | 1.0 mA |
| lg2 max. (Ia = 4 mA, Vg2 = 60 V.) | 1.6 mA |
| Wg2 max. | 0.4 Watt |
| Rgla max. | 2.5 Megohm |
| Vfk max. | 80 Volt |
| Rfk max. | 20.000 Ohm |

3.) Innenkapazität:

| | | |
|------|---------|----|
| Cg1 | 6.4 | μF |
| Ca | 7.6 | μF |
| Cag1 | < 0,003 | μF |

Kolbenform: DOM.

| | |
|--------------------------------|---------|
| Äussere Abmessungen der Röhre: | |
| Gesamtlänge | 106 mm |
| Max. Kolbendurchmesser | 43 mm |
| Dom-Durchmesser | 28.7 mm |

Sockelung:

Universal 8-poliger 8A-Sockel,

